अर्थशास्त्र के परिभाषा

एडम स्मिथ (धन की परिभाषा)

एडम स्मिथ, जिन्हें "अर्थशास्त्र का जनक" कहा जाता है, ने अपनी पुस्तक "एन इन्क्वायरी इनटू द नेचर एंड कॉज़ेज़ ऑफ द वेल्थ ऑफ नेशंस" (1776) में अर्थशास्त्र को परिभाषित किया:

"अर्थशास्त्र धन का विज्ञान है" यह इस बात का अध्ययन करता है कि कोई राष्ट्र धन कैसे अर्जित करता है और उसका वितरण कैसे होता है। उनकी परिभाषा धन के निर्माण और संचय पर केंद्रित थी, लेकिन इसे बाद में संकीर्ण दृष्टिकोण मानकर आलोचना की गई।

अल्फ्रेड मार्शल (कल्याण की परिभाषा)

अल्फ्रेड मार्शल ने अपनी पुस्तक "प्रिंसिपल्स ऑफ इकोनॉमिक्स" (1890) में अर्थशास्त्र को इस प्रकार परिभाषित किया:

“अर्थशास्त्र उस अध्ययन का नाम है जो मनुष्य के सामान्य जीवन में संपत्ति के उपार्जन और उपभोग से संबंधित है। यह इस बात की जांच करता है कि लोग अपने भौतिक कल्याण को अधिकतम करने के लिए संसाधनों का उपयोग कैसे करते हैं।”

मार्शल ने अर्थशास्त्र को एक सामाजिक विज्ञान के रूप में देखा, जो मनुष्य की भौतिक आवश्यकताओं और कल्याण से संबंधित है। उन्होंने इसे "कल्याणकारी विज्ञान" (Welfare Economics) कहा, क्योंकि उनका मानना था कि अर्थशास्त्र केवल धन का अध्ययन नहीं है, बल्कि धन का उपयोग कैसे किया जाता है और यह समाज के कल्याण को कैसे प्रभावित करता है, इसका भी अध्ययन करता है।

जोन रॉबिन्सन

“अर्थशास्त्र का उद्देश्य वास्तविक जीवन की समस्याओं का अध्ययन करना और उनके समाधान प्रस्तुत करना है।”

रॉबिन्सन का जोर इस बात पर था कि अर्थशास्त्र केवल सैद्धांतिक अध्ययन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे व्यावहारिक रूप से समाज की आर्थिक समस्याओं को हल करने के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उनका दृष्टिकोण अपूर्ण प्रतिस्पर्धा, मजदूरी निर्धारण, और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की समस्याओं पर केंद्रित था।

सैमुएलसन (आधुनिक परिभाषा)

सैमुएलसन ने अपनी पुस्तक "इकोनॉमिक्स" (1948) में अर्थशास्त्र को एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिभाषित किया:

“अर्थशास्त्र एक ऐसा अध्ययन है जिसमें लोग और समाज यह तय करते हैं कि सीमित संसाधनों, जिनका अन्य रूपों में भी उपयोग किया जा सकता है, को विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन और उनके वर्तमान एवं भविष्य में वितरण के लिए कैसे उपयोग किया जाए।”

उनकी परिभाषा संसाधनों के उचित उपयोग, निर्णय लेने, और दीर्घकालिक आर्थिक विकास को शामिल करती है, जिससे यह अधिक व्यापक बनती है।